मैय्यत
की बख़्शिश की दुआऐं
eCard

بسم اللّٰہ الرحمن الرحیم

मैय्यत की बख़्शिश की दुआऐं

اَللّٰھُمَّ اغْفِرْلَہُ وَارْحَمْہُ وَعَافِہٖ وَاعْفُ عَنْہُ وَاَکْرِمْ نُزُلَہُ
وَوَسِّعْ مُدْخَلَہُ وَاغْسِلْہُ بِالْمَاءِ وَالثَّلْجِ وَالْبَرَدِ وَنَقِّہٖ مِنَ
الْخَطَایَا کَمَا نَقَّیْتَ الثَّوْبَ الْاَبْیَضَ مِنَ الدَّنَسِ وَاَبْدِلْہُ دَارًا
خَیْرًا مِنْ دَارِہٖ وَاَھْلًا خَیْرًا مِنْ اَھْلِہٖ وَزَوْجًا خَیْرًا مِنْ زَوْجِہٖ
وَاَدْخِلْہُ الْجَنَّةَ وَاَعِذْہُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ وَمِنْ عَذَابِ النَّارِ

[صحیح مسلم :2232]

ऐ अल्लाह !इसे बख़्शदे,इस पर रहम फ़रमा,इसे आफ़ियत अता फ़रमा, इसकी बेहतरीन मेहमानी फ़रमा इसके दाख़ले की जगह(क़बर)को कुशादा फ़रमा. इसे पानी,औलों और बर्फ़ से धोदे,इसे गुनाहों से इस तरह साफ़ करदे जैसे कि तू सफ़ेद कपड़े को मैल कुचैल से साफ.करता है. इसे इसके घर के बदले बेहतर घर अता अता फ़रमा और इसके घर वालों से बेहतर घर वाले और इसकी ज़ौज से बेहतर ज़ौज अता फ़रमा,इसे जन्नत में दाख़िल फ़रमा और इसे क़ब्र के अज़ाब और आग के अज़ाब से बचा.

اَللّٰھُمَّ اِنَّ فُلَانَ بْنَ فُلَانٍ فِیْ ذِمَّتِکَ وَحَبْلِ جِوَارِکَ فَقِہٖ
مِنْ فِتْنَةِ الْقَبْرِ وَعَذَابِ النَّارِ وَاَنْتَ اَھْلُ الْوَفَاءِ وَالْحَقِّ
اَللّٰھُمَّ فَاغْفِرْ لَہُ وَارْحَمْہُ اِنَّکَ اَنْتَ الْغَفُوْرُ الرَّحِیْمُ

[سنن أبی داؤد :3202]

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ऐ अल्लाह !बेशक फ़लां बिन फ़लां तेरे ज़िम्मे में है और तेरी हमसायगी और अमान में आ गया है. सो तू इसे क़ब्र की आज़माइश और आग के अज़ाब से महफ़ूज़ रख तू (अपने) वादे को पूरा करने वाला और हक़ वाला है. ऐ अल्लाह! पस इसे बख़्शदे और इसपर रहम फ़रमा बिलाशुबा तू बहुत ही बख़्शने वाला है निहायत रहम करने वाला है.

اَللّٰهُمَّ عَبْدُكَ وَابْنُ اَمَتِكَ اِحْتَاجَ اِلٰى رَحْمَتِكَ وَاَنْتَ غَنِيٌّ عَنْ عَذَابِهٖ اِنْ كَانَ مُحْسِنًا فَزِدْ فِيْ اِحْسَانِهٖ وَاِنْ كَانَ مُسِيْئًا فَتَجَاوَزْ عَنْهُ [المستدرك للحاكم :1368]

ऐ अल्लाह! तेरा बन्दा और तेरी बन्दी का बेटा,तेरी रहमत का मोहताज है और तू इसे अज़ाब देने से बेनियाज़ है. अगर वो नेक था तो इसके नेक आमाल में इज़ाफ़ा फ़रमा और अगर बुराईयों पर था तो इससे दरगुज़र फ़रमा.

اَللّٰهُمَّ اغْفِرْ لِحَيِّنَا وَمَيِّتِنَا وَصَغِيْرِنَا وَكَبِيْرِنَا وَذَكَرِنَا وَاُنْثَانَا وَشَاهِدِنَا وَغَائِبِنَا،اَللّٰهُمَّ مَنْ اَحْيَيْتَهُ مِنَّا فَاَحْيِهٖ عَلَى الْاِيْمَانِ وَمَنْ تَوَفَّيْتَهُ مِنَّا فَتَوَفَّهُ عَلَى الْاِسْلَامِ،اَللّٰهُمَّ لَا تَحْرِمْنَا اَجْرَهُ وَلَا تُضِلَّنَا بَعْدَهُ [سنن ابی داؤد:3201]

ऐ अल्लाह! हमारे ज़िंदों और हमारे मुर्दों को बख़्शदे और हमारे छोटों और बड़ों को हमारे मर्दों और औरतों को,हमारे मौजूद लोगों को और जो मौजूद नहीं हैं(उन्हें भी बख़्शदे). ऐ अल्लाह! हम में से जिसे तू ज़िंदा रखे तो ईमान पर ज़िंदा रख और हम में से जिसे तू मौत दे उसे इस्लाम पर मौत दे. ऐ अल्लाह! हमें इस(मरने वाले) के अजर से महरूम ना रख और इसके बाद हमें गुमराह ना कर देना.

اَللّٰهُمَّ اغْفِرْلَهٗ وَارْفَعْ دَرَجَتَهٗ فِى الْمَهْدِيِّيْنَ وَاخْلُفْهٗ فِىْ عَقِبِهٖ فِى الْغَابِرِيْنَ وَاغْفِرْلَنَا وَلَهٗ يَارَبَّ الْعَالَمِيْنَ!
وَافْسَحْ لَهٗ فِىْ قَبْرِهٖ وَنَوِّرْ لَهٗ فِيْهِ [صحيح مسلم:2130]

ऐ अल्लाह! इसे माफ़ फ़रमा और हिदायत याफ़ता लोगों में इसका दर्जा बुलंद फ़रमा और इसके पीछे रह जाने वालों में तू ही इसका ख़लिफ़ा बनजा या रब्बल आलमीन! हमें और इसको बख़्शदे और इसकी क़ब्र में इसके लिए कुशादगी फ़रमा और इसमें इसके लिए रोशनी फ़रमा.
नोटे:(ये दुआ रसूल अल्लाह ﷺ ने अबू सलमा رضي الله عنه के लिए पढ़ी थी)

बच्चे की मैय्यत के लिए दुआऐं

اَللّٰهُمَّ اَعِذْهُ مِنْ عَذَابِ الْقَبْرِ [الموطأ،كتاب الجنائز:18]

ऐ अल्लाह! इसे क़ब्र के अज़ाब से बचा.

اَللّٰهُمَّ اجْعَلْهُ لَنَا سَلَفًا وَفَرَطًا وَاَجْرًا [صحيح البخارى، كتاب الجنائز،باب:65]

ऐ अल्लाह! इस(बच्चे)को हमारे लिए हमसे पहले आगे जाकर इन्तिज़ाम करने वाला बनादे और अज्र का बाइस बनादे.

अबू हुरैरा: رضي الله عنه से रिवायत है कि रसूल अल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: मरने के बाद इन्सान के आमाल(के सवाब का सिलसिला)कट जाता है, सिवाए तीन तरीक़ों के जिनका सवाब मैय्यत को पहुंचता रहता है सदक़ा जारिया या लोगों को फ़ायदा देने वाला इल्म या नेक औलाद जो मैय्यत के लिए दुआ करती है. [صحيح مسلم:4223]

AlHuda Welfare Trust India
Post Box Number 444, Basavanagudi Bangalore 560004 ,India
+918040924255. | +91-9535612224
alhuda.india@gmail.com
www.alhudapk.com | www.farhathashmi.com
www.alhudapublications.org